No. of Printed Pages : 4

MHD–15

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

एम.एच.डी.-15 : हिन्दी उपन्यास-2

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

***नोट : प्रथम** प्रश्न अनिवार्य है। शेष प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नो के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** गद्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : $2 \times 10 = 20$

(क) आपने तो अज्ञान दूर करने के पहले ही क्रांति शुरू कर दी है। शासन की शक्ति से लोगों को कम्युनिज्म समझाइयेगा ? लेकिन लोग आपको शासन-शक्ति लेने नहीं देंगे। जिस जनता की भलाई के लिए कम्युनिज्म लाना चाहते हैं, वही आपका

विरोध करेगी। वे आपका नहीं, गांधीजी के वारिसों का साथ देंगे। अंग्रेजों के खिलाफ लोगों को विद्रोह की बात जँचती थी, अपनी सरकार के खिलाफ बगावत उन्हें नहीं जँचेगी। आपको वैज्ञानिक रास्ते पर चलना चाहिए था। कांग्रेस को लोगों ने कितने वरस में पहुचाना ? आप एक ही झटके में सब कुछ कर लेना चाहते हैं।

(ख) जब नौशेरवाँ का आखिरी वक्त आया तब उसने अपने बेटे हुरमुज से कहा, 'बेटा, दिल से फकीरों-दरवेशों की हिफाजत कर। अपने आराम की फिक्र न रख। कोई भी अक्लमंद यह पसंद न करेगा कि चरवाहा पड़ा सोता हो और भेड़िया उसके गोल में रहे। होशियारी से दरवेशों-मुहताजों का ख्याल रख। इसलिए कि रियाया की बदौलत ही बादशाह ताजदार होता है। रियाया जड़ की तरह है और बादशाह दरख्त की तरह और दरख्त जड़

से ही मजबूत होता है। ए मेरे प्यारे बेटे, जहाँ तक बन सके, रियाया का दिल मत दुखाना और अगर तू ऐसा करेगा तो अपनी जड़ खोदेगा।

(ग) बस, माणिक मुल्ला भी तुम्हारा ध्यान उस अथाह पानी की ओर दिला रहे हैं जहाँ मौत है, अंधेरा है, कीचड़ है, गन्दगी है। या तो दूसरा रास्ता बनाओ नहीं तो डूब जाओ। लेकिन आधी इंच ऊपर जमी बरफ कुछ काम न देगी। एक ओर नये लोगों का यह रोमानी दृष्टिकोण, यह भावुकता, दूसरी ओर बढ़ों का यह थोथा आदर्श और झूठी मनावैज्ञानिक मर्यादा सिर्फ आधी इंच बरफ है, जिसने पानी की खूँखार गहराई को छिपा रखा है।

(घ) हिन्दुस्तान में पढ़े-लिखे लोग कभी-कभी एक बीमारी के शिकार हो जाते हैं। उसका नाम 'क्राइसिस ऑफ कांशस' है। कुछ डॉक्टर उसी में 'क्राइसिस ऑफ फेथ' नाम की एक दूसरी बीमारी भी बारीकी से ढूँढ निकालते हैं। यह बीमारी पढ़े-लिखे लोगों में आमतौर से उन्हीं को सताती है

जो अपने को बुद्धिजीवी कहते हैं और जो वास्तव में बुद्धि के सहारे नहीं, बल्कि आहार-निद्रा-भय-मैथुन के सहारे जीवित रहते हैं (क्योंकि अकेली बुद्धि के सहार जीना एक नामुमकिन बात है)।

2. 'झूठा सच' उपन्यास के आधार पर जयदेव पुरी की चरित्रगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 10

3. परिवेश-चित्रण की दृष्टि से 'जिन्दगीनामा' का विवेचन कीजिए। 10

4. 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' उपन्यास की शिल्पगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 10

5. 'राग दरबारी' शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए। 10

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $2 \times 5 = 10$

(क) 'झूठा सच' उपन्यास में सामाजिक जीवन

(ख) 'जिन्दगीनामा' उपन्यास की भाषागत विशेषताएँ

(ग) 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' में स्त्री-चेतना

(घ) 'राग दरबारी' में व्यंग्य